

Oigo tu voz (I Hear Your Voice)

Music: Mario Canaro

Lyrics: Francisco García Jimnez

<i>Miedo de morir, ansia de vivir, sueo o realidad?... Algo quiere ser un amanecer en mi soledad... Canto que olvidé, sitios que dejé, dicha que perdí... Hoy en la emoción de mi corazón todo vuelve a mí!</i>	<i>Scared of dying, anxiety for living, a dream or reality? Something wants to be a dawn in my solitude... Song that I forgot, places that I left, happiness that I lost... Today in the emotion of my heart everything comes back to me.</i>
-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

<i>Oigo tu voz la que mi oído no olvida! Me trae tu voz hasta mi pena escondida la luz y la vida de un rayo de sol... Vuelvo a escuchar el nombre mío en tu acento, sin descifrar si es la palabra que siento mentira del viento, delirio, no más...</i>	<i>I listen your voice the one my ears don't forget Your voice grabs me until my hidden pain the light and the life of a sun beam... I hear again my name in your accent, without deciphering whether it is the word I feel or a windy lie or just a delirium...</i>
------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

<i>Tiemblo por saber si en mi puerta estás, si es tu propia voz; y no quiero abrir para no llorar muerta mi ilusión... Déjame pensar que a salvar vendrás el deshecho amor... Déjame creer que eres siempre, al fin, tú mejor que yo!</i>	<i>I tremble when trying to know if you are in my front door if it is your own voice; I don't want to open it to avoid crying my dead illusion... Let me believe that you will save my destroyed love... Let me believe that you always are, at the end, better that I am!</i>
---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------